पाठ 1. धूप

I. मौखिक कौशल

(बच्चों को मौखिक उत्तर देने के लिए प्रेरित करेंगे।)

1. धूप सुबह-सुबह आई थी। **2.** घर में घुसने पर धूप शरमाने लगी।

II. लिखित कौशल

1. धूप छप्पर-छत तथा धरती पर फैल गई थी। **2.** जाड़े के मौसम में धूप अच्छी लगती है।

3. इन पंक्तियों का अर्थ है कि दिन भर घर-आँगन, खेत-खलिहानों, फूल-कली आदि पर बिखर-बिखरकर, अब शाम होते-होते धूप थक गई है इसलिए आलस के कारण वह कहीं जाकर सो गई है। अर्थात् धूप चली जाने पर शाम हो जाती है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) छितराई (ख) बरखा

2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

यह कविता संदेश देती है कि जिस प्रकार धूप नित निश्चित समय पर आकर अपना काम करती है उसी प्रकार हमें भी प्रतिदिन अपने सभी काम निश्चित समय पर करने चाहिए। साथ ही, जिस तरह धूप प्रत्येक ऋतु के अनुसार अपना स्वरूप बदलती है, उसी तरह हमें भी किसी भी परिस्थिति के अनुसार स्वयं को ढालना सीखना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (ख) छितराया, छितराई, छितराए (ग) लजाया, लजाई, लजाए
(घ) समाया, समाई, समाए (ङ) गरमाया, गरमाई, गरमाए

2. (ख) सुबह-सुबह (ग) डाली-डाली (घ) फूल-फूल
(ङ) कली-कली (च) धीरे-धीरे (छ) गली-गली (ज) अलसाई-अलसाई

3. (क) (ii) (ख) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) सुबह (ख) खिड़की (ग) सूरज (घ) खलिहान (ङ) गली

2. बच्चे स्वयं करेंगे।

पाठ 2. शेर और लड़का

I. मौखिक कौशल

1. चरवाहे का लड़का जंगल में गया था।
2. लड़के ने पेड़ के नीचे शेर को बैठे देखा।
3. तीन दिन बीतने पर लड़के ने ईश्वर से प्रार्थना की – "भगवान, क्या तुम मुझ गरीब पर दया न करोगे?"
4. लड़के ने चिल्लाकर सूचना दी, "होशियार! पेड़ के नीचे एक शेर बैठा हुआ है।"

II. लिखित कौशल

1. गाय-बैलों को चरने के लिए छोड़कर चरवाहे का लड़का झरने के किनारे बैठकर मछलियाँ पकड़ने लगा।
2. लड़के ने ऐसा इसलिए सोचा क्योंकि गाय खो गई थी और बहुत ढूँढ़ने पर भी उसका कहीं कुछ पता न चल पाया था। जिस कारण लड़का डर गया था।
3. रात काटने के लिए चरवाहे का लड़का पेड़ पर चढ़कर सो गया।
4. सुबह होने पर लड़के ने सोचा कि जैसे ही शेर पानी पीने जाएगा, वह भी यहाँ से भाग निकलेगा।
5. टीले की आड़ में लोगों को देखकर शेर इतने ज़ोर से गरजा कि सारा जंगल हिल गया।
6. हवा में गोलियाँ दागी जाने पर चिड़ियाँ पेड़ों से उड़ गईं और शेर वहाँ से भाग खड़ा हुआ।
7. मालिक ने लड़के के बारे में समझा था कि उसे किसी शेर ने मारकर खा लिया होगा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) शाम (ख) झरने (ग) चार (घ) तीन (ङ) गाय
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पंक्ति से लड़के के स्वभाव के बारे में पता चलता है कि वह दृढ़-निश्चयी तथा निडर था।
2. इस पंक्ति से पता चलता है कि लड़के के अंदर दूसरों का खयाल रखने की भावना तथा स्थिति को समझने एवं सुलझाने जैसे गुण विद्यमान थे।

V. भाषा कौशल

1. (क) लड़का (ख) जंगल (ग) गीदड़ (घ) पेड़ (ङ) शेर (च) छाती
2. (ख) प्यास (ग) धूप (घ) तैसे (ङ) पाँव (च) बैल
3. (क) चरवाहा (ख) सवेरा (ग) शिकार (घ) ढीला (ङ) ईश्वर
   (च) चौकन्ना (छ) मुश्किल (ज) प्यास
4. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. जानवर – गाय, शेर, बैल, गीदड़ समय – सुबह, रात, शाम, दिन
   पानी – तालाब, झरना, नदी, झील शरीर – हाथ, पेट, सिर, पाँव
2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 3. मैंने पक्षी उड़ा दिए

I. मौखिक कौशल

1. मोहल्ले के लड़के छतों पर पतंग उड़ाते थे।
2. लेखक ने अपनी मँझली भाभी से पक्षी न लाने की विनती की थी।
3. लेखक ने पक्षियों को आज़ाद करने के लिए पिंजरे का दरवाज़ा खोल दिया था।

II. लिखित कौशल

1. पक्षियों को उड़ता देखकर लेखक को लगता था कि मानो पक्षी उनकी पतंगों के साथ होड़ लगा रहे हों।
2. पिंजरे में बंद पक्षी चीखते-चिल्लाते तथा पंख फड़फड़ाते रहते थे।
3. पड़ोस की औरतों ने चिड़ियाँ देखकर कहा, "वाह! कितनी सुंदर चिड़ियाँ हैं।"
4. लेखक द्वारा भाभी से यह कहे जाने पर कि आप इन पक्षियों को पिंजरे में कैद करके इनपर अत्याचार कर रही हैं। इन प्राणियों ने आपका क्या बिगाड़ा है। भाभी ने उन्हें डाँटा।
5. अवसर मिलते ही लेखक ने पिंजरे का दरवाज़ा खोलकर पक्षियों को आसमान में उड़ा दिया।
6. पक्षियों को आज़ाद कर लेखक को बहुत खुशी मिल रही थी।
7. लेखक सोच रहे थे, 'काश मैं उन पक्षियों को भी निकाल पाता जो अन्य लोगों के घरों में लटके पिंजरों में बंद थे।'

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) छतें (ख) भाभी (ग) छोटा (घ) पतंग (ङ) शिकायत
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इससे पता चलता है कि लेखक पशु-पक्षियों से प्रेम करते थे तथा उनका दुख समझते थे। पशु-पक्षियों की पीड़ा से वे स्वयं भी दुखी हो जाते थे।
2. हमें पशु-पक्षियों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। उन्हें परेशान नहीं करना चाहिए। पशु-पक्षियों में भी संवेदनाएँ होती हैं इसलिए हमें उन्हें प्रेम-स्नेह देना चाहिए बदले में वे भी हमें यही भाव प्रतिक्रिया स्वरूप लौटाते हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) पतंगें (ख) छतें (ग) औरतें (घ) पिंजरे (ङ) चिड़ियाँ (च) सहेलियाँ
2. (क) बचपन (ख) जोड़ा (ग) विनती (घ) रुआँसा (ङ) दरवाज़ा (च) स्वयं
3. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. पक्षी, में, कैद, थे रेशमा, पिंजरा, दिया पिंजरा, खुलते, पक्षी, निकले
   वे, आसमान, में, चले
2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 4. नन्हा खुदीराम

I. मौखिक कौशल

1. हबीबपुर गाँव पश्चिम बंगाल के मिदनापुर ज़िले में स्थित है।
2. खुदीराम की बहन का नाम अनुरूपा था।
3. 8 अगस्त 1908 को खुदीराम को फाँसी पर लटकाया गया था।

II. लिखित कौशल

1. खुदीराम को बचपन में सब खुदी कहकर पुकारते थे।
2. खुदीराम का पालन-पोषण उनकी बड़ी बहन अनुरूपा ने किया था।
3. मंदिर के बाहर तेज़ धूप में लोगों को बिना जूते-चप्पल के बैठे देखकर खुदीराम को हैरानी होती थी।
4. यह वाक्य मंदिर के बाहर खड़े आदमी ने खुदीराम से कहा था।
5. खुदीराम ने बचपन से ही ठान लिया था कि गुलामी की इस बीमारी को अपने देश से दूर करके ही रहेंगे।
6. खुदीराम ने मुजफ़्फ़रपुर जाकर अंग्रेज़ अधिकारी किंग्सफ़ोर्ड की गाड़ी पर बम फेंका।
7. खुदीराम को फाँसी की सज़ा दी गई।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) गलत
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. (क) (ख) (घ)
2. अपने देश की सेवा करने के लिए हमारे अंदर देशभक्ति, दृढ़-निश्चय, साहस तथा समझदारी जैसे गुण होने चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) बचपन (ख) पैर (ग) गुलामी (घ) बीमारी (ङ) खुदीराम
2. (क) एकवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन (घ) बहुवचन
3. (क) ईश्वर, प्रभु (ख) दिवस, वार (ग) लड़का, बच्चा (घ) उम्र, अवस्था
4. (क) (i) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 6. पूछूँ एक सवाल

I. मौखिक कौशल

1. एक बच्चा प्रश्न पूछ रहा है। **2.** बच्चे के भाई को उत्तर देने हैं।

II. लिखित कौशल

1. पहलवान ताल ठोकता है। **2.** गन्ने के रस का स्वाद मीठा होता है।

3. दादी माला फेर रही हैं। **4.** आसमान का रंग नीला होता है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) लाल (ख) ढोल (ग) कौआ **2.** (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

भगवान की प्रार्थना करने से मन को शांति मिलती है और हम दिन भर अच्छे काम करने के लिए प्रेरित रहते हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) गुड़िया (ख) घोड़ी (ग) साँपिन (घ) हथिनी (ङ) बुढ़िया (च) नानी

2. (क) पैसे का आकार कैसा होता है?
(ख) काँव-काँव की आवाज़ कौन निकालता है?
(ग) दादी क्या फेर रही हैं?
(घ) ढोल पीटने पर कैसी आवाज़ निकलती है?

3. (क) ढोल, बोल (ख) ताल, बाल (ग) गात, सात (घ) पानी, रानी

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 7. श्यामू की चतुराई

I. मौखिक कौशल

1. श्यामू एक गड़रिया था।
2. राजा ने जौहरी तथा श्यामू को अपने दरबार में बुलवाया।
3. नगरवासी पर्वत देवता का न्याय देखने पहुँच गए थे।

II. लिखित कौशल

1. श्यामू भेड़-बकरियाँ चराता था।
2. जौहरी ने हीरा देखकर श्यामू से कहा, "अरे, यह तो मेरा खोया हुआ हीरा है। मेरा हीरा चुराकर मुझे ही बेचने चला है। चल, चुपचाप भाग यहाँ से!"
3. श्यामू ने राजा को बताया कि यह जौहरी लालची है, मुझे चोर बताकर हीरा हड़पना चाहता है।
4. श्यामू ने पर्वत देवता से पूछा कि यह हीरा जौहरी का है या श्यामू का तथा यह हीरा जौहरी को मिलना चाहिए या श्यामू को।
5. श्यामू निश्चिंत था कि पर्वत देवता उसी के पक्ष में निर्णय देंगे। वास्तव में वह पहले भी देख चुका था कि जब वह जंगल में ज़ोर से आवाज़ लगाता तो उसके आखिरी शब्द पहाड़ों से टकराकर उसे वापस सुनाई देते थे। इसमें जादू या और कोई बात नहीं थी।
6. राजा ने सबके सामने हीरा श्यामू के हाथ में रखते हुए कहा, "पर्वत देवता ने सच्चाई बतला दी है। उन्होंने तुम्हें ही इसका अधिकारी माना है।"

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (घ) (ङ) (ग) (च) (ख) (क)
2. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. हम श्यामू के स्वभाव से ईमानदारी, बुद्धिमत्ता तथा निडरता जैसी अच्छी बातें सीख सकते हैं।
2. जौहरी के स्वभाव में बेईमानी ऐसी बात थी जिसे हम अपनाना नहीं चाहेंगे।

V. भाषा कौशल

1. (क) जातिवाचक (ख) व्यक्तिवाचक (ग) भाववाचक (घ) व्यक्तिवाचक (ङ) जातिवाचक (च) जातिवाचक (छ) भाववाचक (ज) भाववाचक
2. (क) सज्जनपुर, रामगढ़ (ख) कमल, पीटर (ग) हिमालय, आल्पस (घ) जोधपुर, मैसूर
3. (क) कहानियाँ (ख) बकरियाँ (ग) भेड़ें (घ) मुद्राएँ (ङ) आवाज़ें (च) खुशियाँ
4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. ऊपर से नीचे – 1. चतुराई 2. लालची 4. हीरा
   बाएँ से दाएँ – 2. लाभ 3. सच्चाई 5. टकराहट
2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 8. लिंकन की दाढ़ी

I. मौखिक कौशल

1. लोगों ने अब्राहम लिंकन की तस्वीरें अपने घरों में टाँग रखी थीं।
2. ग्रेस बीडल ने अब्राहम लिंकन को पत्र लिखा था।

II. लिखित कौशल

1. ग्रेस बीडल न्यूयार्क के वेस्टफ़ील्ड नामक शहर में रहती थी।
2. ग्रेस बीडल ने लिंकन की तस्वीर देखकर अपनी माँ से कहा, "माँ, लिंकन यदि अपनी दाढ़ी बढ़ा लें तो वे और भी प्रभावशाली लगेंगे।"
3. ग्रेस बीडल ने लिंकन को दाढ़ी रखने का सुझाव दिया।
4. हाँ, लिंकन ने ग्रेस बीडल का सुझाव मान लिया था।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) शरीर (ख) तस्वीर (ग) ग्यारह (घ) वाशिंगटन
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. अब्राहम लिंकन नम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी प्रसिद्धि का कारण यही था कि वे जनता से जुड़े नेता थे। ग्रेस बीडल नामक छोटी-सी बच्ची की सलाह मानकर उन्होंने महानता का परिचय दिया। इतनी भीड़ में भी वे ग्रेस बीडल से मिलना नहीं भूले।
2. ग्रेस बीडल साहसी तथा होशियार लड़की थी। वह अपने इरादों की पक्की थी। उसने लिंकन को पत्र लिखकर सुझाव देने का दृढ़-निश्चय किया और उसे पूरा कर दिखाया।

V. भाषा कौशल

1. (क) वे (ख) उन्हें (ग) वह (घ) मैं (ङ) आपको (च) उससे (छ) मेरी
2. (क) अपनी (ख) उसके (ग) आपकी (घ) मेरा (ङ) तुम्हारा
3. (क) अब्राहम लिंकन (ख) अमरीका (ग) ग्रेस बीडल (घ) वेस्टफ़ील्ड
4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. बच्चे स्वयं करें।
3. पत्र, हिम्मत, मौसी, बाल, चुटिया, कंघी, तेल, मज़बूत, झड़ना

पाठ 9. बंदर ने बाँटी रोटी

I. मौखिक कौशल

1. दो बिल्लियाँ थीं। **2.** एक बंदर था। **3.** एक रोटी थी।

II. लिखित कौशल

1. मेज़ पर से रोटी काली बिल्ली ने उठाई थी।

2. काली बिल्ली ने सफ़ेद बिल्ली को डरपोक बताया।

3. बिल्लियों ने झगड़ने का कारण रोटी बताया।

4. बंदर पलड़ों में रखे टुकड़ों को बराबर करने के बहाने से रोटी का थोड़ा-थोड़ा टुकड़ा खाता रहा। अंत में बिल्लियाँ बचा हुआ टुकड़ा माँगती हैं परंतु बंदर उसे भी खा जाता है।

5. बंदर बहुत चालाक था। उसने दोनों बिल्लियों को बेवकूफ़ बनाया। वह रोटी के टुकड़ों को छोटा-बड़ा करके तोड़ता रहा और फिर उन्हें बराबर करने का ढोंग करके खाता रहा। आखिर में वह थोड़ा-सा बचा-खुचा टुकड़ा भी खा जाता है और तराजू लेकर भाग जाता है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सफ़ेद बिल्ली ने (ख) काली बिल्ली ने (ग) बंदर ने

2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस पाठ से यह संदेश मिलता है कि हमें आपस में लड़ना-झगड़ना नहीं चाहिए। किसी भी समस्या का समाधान आपस में विचार-विमर्श करके निकाल लेना चाहिए अन्यथा कोई तीसरा इसका लाभ उठा ले जाता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) काली (ख) गोल (ग) डरपोक (घ) चालाक (ङ) भारी

2. (क) गोल (ख) बड़ा (ग) मोटी (घ) लंबी

3. (क) दादी जी की अटैची बहुत भारी थी।
(ख) फ़ुटबॉल खेलते समय मोहन की नाक पर चोट लग गई।
(ग) मीतू बहुत डरपोक है, बात-बात पर डर जाती है।

4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

पाठ 11. कहाँ गई गौरैया

I. मौखिक कौशल

1. चुनमुन दादी से गौरैया के बारे में पूछ रही है।
2. दादी ने वर्षा तथा गौरैया के रूठ जाने की बात कही है।

II. लिखित कौशल

1. गौरैया घर-आँगन तथा रसोईघर के अंदर आया-जाया करती है।
2. गौरैया अपना घोंसला घर के भीतर बनाती है।
3. वर्षा न होने से जंगल तथा तालाब सूख गए हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) चौके, सुंदर (ख) घर, नीड़ **2.** (क) (i) (ख) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता के माध्यम से कवि ने संदेश दिया है कि हमें पक्षियों से प्रेम करना चाहिए तथा अपने पर्यावरण का संरक्षण करना चाहिए क्योंकि सभी जीव-जंतुओं का जीवन इसी पर्यावरण पर ही निर्भर है।

V. भाषा कौशल

1. (क) गई (ख) बनाया (ग) आई (घ) हो रही है (ङ) पूछा
2. (ख) बोला, बोली, बोले (ग) फुदका, फुदकी, फुदके (घ) पूछा, पूछी, पूछे (ङ) कहा, कही, कहे (च) सूखा, सूखी, सूखे
3. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. कोयल, बतख, चील, कबूतर, सारस, मोर, बुलबुल, हंस, बया, तीतर
2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 12. पिता जी का कमरा

I. मौखिक कौशल

1. स्वामीनाथन के मित्र का नाम राजम था।
2. स्वामीनाथन ने अपने पिता जी से कहा कि पिता जी, मुझे आपका कमरा चाहिए।
3. राजम ने स्वामीनाथन की दादी से मिलने की इच्छा व्यक्त की थी।

II. लिखित कौशल

1. स्वामीनाथन का मित्र शनिवार की शाम को आने वाला था।
2. स्वामीनाथन ने अपनी माँ से कहा, "माँ, आज शाम को नाश्ते में क्या बना रही हैं?"
3. स्वामीनाथन के पिता जी ने कमरा देने के साथ-साथ उसे हिदायत दी कि चीज़ें उलट-पलट नहीं होनी चाहिए।
4. कानून की पुस्तकों को देखकर राजम ने पूछा कि क्या तुम ऐसी पुस्तकें पढ़ते हो? तुम्हारे स्कूल की पुस्तकें कहाँ हैं?
5. दादी ने राजम को बुलाते हुए कहा, "पास आओ राजम! मैं तुम्हारी शक्ल ठीक से देख नहीं पा रही हूँ। तुम जानते हो, मैं बूढ़ी हो गई हूँ और मुझे ठीक से कुछ दिखाई नहीं देता।"
6. राजम ने दादी के बारे में स्वामीनाथन से कहा कि तुम्हारी दादी बहुत अच्छी हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) स्वामीनाथन की माँ ने (ख) स्वामीनाथन के पिता जी ने (ग) राजम ने (घ) स्वामीनाथन की दादी ने
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

(क) ✗ (ग) ✗ (ङ) ✗

V. भाषा कौशल

1. (क) संज्ञा (ख) क्रिया (ग) सर्वनाम (घ) विशेषण (ङ) सर्वनाम (च) संज्ञा
2. (क) पुल्लिग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिग (घ) पुल्लिग (ङ) पुल्लिग (च) स्त्रीलिंग
3. (क) एकवचन (ख) बहुवचन (ग) बहुवचन (घ) एकवचन (ङ) एकवचन (च) बहुवचन
4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. बच्चे स्वयं करें। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करें।)

पाठ 13. भारत-दर्शन

I. मौखिक कौशल

1. दार्जिलिंग शहर पश्चिम बंगाल राज्य में स्थित है।
2. 'भारत का पेरिस' जयपुर शहर को कहा जाता है।
3. 'पर्वतों की रानी' मसूरी शहर को कहा जाता है।

II. लिखित कौशल

1. टाइगर हिल से हिमालय की सबसे ऊँची चोटियों में से एक 'कंचनजंघा' साफ़-साफ़ दिखलाई पड़ती है। सुबह के समय जब सूरज की किरणें इस चोटी पर जमी बर्फ़ पर पड़ती हैं तब उसकी छटा देखते ही बनती है इसीलिए टाइगर हिल प्रसिद्ध है।
2. दार्जिलिंग के पद्मजा नायडू जैविक उद्यान में लाल पांडा और सफ़ेद तेंदुआ मिलते हैं।
3. हवा महल जयपुर में स्थित है।
4. मसूरी की दो सबसे ऊँची चोटियों के नाम चाइल्डर्स लॉज तथा गन हिल हैं।
5. ऊटी के वनस्पति उद्यान में पेड़-पौधों की छह सौ से अधिक किस्में पाई जाती हैं। इस उद्यान में एक पेड़ के जीवाश्म सँभालकर रखे गए हैं। इसके बारे में कहा जाता है कि यह 2 करोड़ वर्ष पुराना है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

हमारा देश भारत अत्यंत खूबसूरत है। यहाँ के प्रत्येक राज्य की भाषा, रहन-सहन, खान-पान इत्यादि में विविधताएँ होते हुए भी एकता का भाव विद्यमान है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक अद्भुत प्राकृतिक नज़ारे देखने को मिलते हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से भारत अति प्राचीन देश है। भारत को अंग्रेज़ों की दासता से मुक्त कराने में अनगिनत देशभक्तों ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे इसलिए हमारा देश भारत हमें प्राणों से भी प्यारा है।

V. भाषा कौशल

1. (क) यह (ख) हम (ग) इसे (घ) उसकी
2. (क) मत्स्य (ख) मार्ग (ग) निकट (घ) पत्र (ङ) फुलवारी
3. (क) मैं माँ के साथ भगवान के दर्शन करने मंदिर गई।
   (ख) दिवाली पर सभी लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति खरीदते हैं।
   (ग) दिवाकर के मामा जी बड़ोदरा शहर में रहते हैं।
   (घ) दार्जिलिंग और असम में चाय-कॉफ़ी के बहुत बागान हैं। (अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से वाक्य बनवाएँ।)
4. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) कोलकाता (ख) जयपुर (ग) देहरादून (घ) चेन्नई (ङ) भोपाल
   (च) पटना (छ) चंडीगढ़
2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 14. गुरुभक्त आरुणि

I. मौखिक कौशल

1. गुरु जी का नाम महर्षि धौम्य था।
2. आरुणि महर्षि धौम्य का शिष्य था।
3. गुरु जी की आवाज़ सुनकर आरुणि ने उत्तर दिया कि गुरु जी! मैं यहाँ हूँ, खेत में मेड़ के किनारे लेटा हूँ।

II. लिखित कौशल

1. शिष्य महर्षि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।
2. मूसलाधार वर्षा होने पर महर्षि ने आरुणि से खेत पर जाने को कहा।
3. आरुणि जब खेत पर पहुँचा तब उसने देखा कि खेत की मेड़ में एक स्थान पर दरार पड़ गई है जिसमें से पानी रिस रहा है।
4. आरुणि मेड़ के पास इस प्रकार लेट गया ताकि मेड़ की दरार उसकी पीठ से ढक जाए। ऐसा करते ही पानी का रिसाव रुक गया।
5. महर्षि ने खेत पर पहुँचकर देखा कि वहाँ पानी भरा हुआ है लेकिन आरुणि उन्हें कहीं दिखाई नहीं पड़ा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) धान (ख) शाम (ग) दरार (घ) मिट्टी
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपने गुरुजनों की बात कभी नहीं टालनी चाहिए। उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए क्योंकि गुरु का स्थान माता-पिता तथा भगवान से भी ऊँचा होता है।

V. भाषा कौशल

1. (ख) बोना (ग) बाँधना (घ) पीना (ङ) डालना (च) करना
2. (क) एकवचन (ख) बहुवचन (ग) बहुवचन (घ) एकवचन
   (ङ) बहुवचन (च) बहुवचन (छ) एकवचन
3. (क) आरुणि एक आज्ञाकारी बालक था।
   (ख) शिष्य आश्रम में काम करते थे। (ग) महर्षि की आँखों से आँसू बहने लगे।
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। उनकी जयंती प्रतिवर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाती है। वे एक प्रख्यात शिक्षाविद और महान दार्शनिक थे। उन्हें भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया।
2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 16. हिमालय

I. मौखिक कौशल

1. हिमालय अडिग खड़ा हुआ है।
2. भारत ने दुनिया को ज्ञान का पवित्र उजाला दिया है।

II. लिखित कौशल

1. हिमालय नीले अंबर को भारत की महिमा का गान सुना रहा है।
2. हिमालय की गोदी में गंगा नदी लहराती है।
3. हमें अपने देश पर अभिमान करना चाहिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हिमालय, आँधी **2.** (क) (ii) (ख) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

कविता की अंतिम पंक्तियों में संदेश छिपा है कि हमें भारत की सुंदरता का बखान करना चाहिए। हमें अपने देश पर उच्च हिमालय-सा गर्व रखना चाहिए क्योंकि भारतवर्ष संपूर्ण विश्व में अपनी अलग पहचान रखता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिग (ग) पुल्लिग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) पुल्लिग (च) पुल्लिग
2. (क) ऋचा के पास बहुत सुंदर पैन है। (ख) हिमालय भारत का रक्षक है।
   (ग) भारत देश में सभ्यता और संस्कृति का खज़ाना भरा पड़ा है।
3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) एवरेस्ट, K2 (ख) गंगा, यमुना (ग) उत्तराखंड, सिक्किम
   (घ) तेनजिंग नोर्गे तथा एडमंड हिलेरी
2. **3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 17. भाग्य का खेल

I. मौखिक कौशल

1. रायगढ़ के राजा का नाम गोपाल था।
2. कविताएँ सुनकर राजा मन-ही-मन राजपाल से प्रसन्न हुए।
3. कद्दू नहीं खाने के बारे में राजपाल ने बहाना बनाया कि कद्दू खाने से उसे अपच हो जाता है।
4. कद्दू की सब्ज़ी वीरपाल ने बनाई थी।

II. लिखित कौशल

1. राजपाल यह कविता सुनाया करता था– देहि तो देहि गोपाल, का करहि मोर कपाल।
2. वीरपाल यह कविता सुनाया करता था– देहि तो देहि कपाल, का करहि राज गोपाल।
3. राजपाल सोच रहा था कि कद्दू को पहले छीलना पड़ेगा, काटना पड़ेगा और फिर इसकी सब्ज़ी बनेगी। वह मेहनत करने से बचना चाहता था इसलिए वह कद्दू की सब्ज़ी बनाना नहीं चाहता था।
4. राजा ने जब वीरपाल की ओर देखा तो उसने कहा–
   देहि तो देहि कपाल, का करहि राज गोपाल।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (घ) (क) (ङ) (ख) (ग) **2.** (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इन पंक्तियों से यह पता चलता है कि राजा उन लोगों को पसंद करते थे जो उनकी तारीफ़ करें।
2. इन पंक्तियों से वीरपाल के स्वभाव के बारे में पता चलता है कि वह दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहता है। वह मेहनत करने से भी पीछे नहीं हटता।

V. भाषा कौशल

1. (क) तुमने उसे कद्दू क्यों दिया?
(ख) वह चावल, दाल और कद्दू लेकर आया।
(ग) राजा ने दोनों की कविताएँ सुनीं।
(घ) क्या भाग्य पर भरोसा करना चाहिए?
(ङ) राजा ने कद्दू किसे दिया था?
(च) वीरपाल, राजपाल और राजा गोपाल हँसने लगे।

2. (ख) छिपा रहा है, छिपा रहा था
(ग) काट रहा है, काट रहा था
(घ) सुना रहा है, सुना रहा था

3. (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. दाल, कपाल, गोपाल, राजपाल, वीरपाल **2. 3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 18. मानव कंप्यूटर–शकुंतला देवी

I. मौखिक कौशल

1. तीन वर्ष की उम्र से ही शकुंतला देवी का लगाव गणित से हो गया था।
2. लोगों ने शकुंतला देवी को 'मानव कंप्यूटर' कहना शुरू कर दिया था।
3. गणित का प्रारंभिक ज्ञान कठिन सवालों से छुटकारा दिला सकता है।

II. लिखित कौशल

1. बचपन में अंकों को सही-सही जोड़ने और घटाने में शकुंतला देवी को खुशी मिलती थी।
2. शकुंतला देवी द्वारा गणित के जटिल प्रश्नों को कैलकुलेटर और कंप्यूटर से तेज़ हल कर देने की कला को देखकर देश-विदेश में लोग अचंभित रह जाते थे।
3. अगर हम गणित को बातों-बातों में सीखें तो इसके प्रश्न आसानी से हल हो जाएँगे।
4. गणित का प्रारंभिक ज्ञान कठिन सवालों से छुटकारा दिला सकता है इसलिए इसका ठोस होना ज़रूरी है।
5. अभ्यास के द्वारा गणित की गुत्थियाँ सरल बन जाती हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही
2. (क) (i) (ख) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. शकुंतला देवी के जीवन से हम प्रेरणा ले सकते हैं कि हमें अपना काम रुचिकर बनाना चाहिए ताकि वह हमें बोझिल न लगे और उसमें आसानी से कामयाबी मिल सके।
2. इस पंक्ति से हम यह सीख सकते हैं कि न केवल गणित बल्कि किसी भी विषय के संबंध में हमारा प्रारंभिक ज्ञान ठोस या मज़बूत होना ज़रूरी है जिससे आगे चलकर कठिन विषयों की बारीकियों को हम आसानी से सुलझा सकें।

V. भाषा कौशल

1. (ख) आसानी (ग) प्रारंभिक (घ) विकसित
2. (क) युक्तियाँ (ख) खिलौने (ग) कारनामे (घ) गुत्थियाँ (ङ) कठिनाइयाँ (च) बच्चे
3. (ख) सवालों (ग) प्रश्नों (घ) विषयों **4.** (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) 20 बार (ख) 11 बार (ग) 10 (घ) 99
2. **3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 19. घमंडी कुआँ

I. मौखिक कौशल

1. पीपल के पेड़ के नीचे एक कुआँ था।
2. दोनों यात्रियों की बातें सुनकर कुएँ को गुस्सा आया।
3. पीपल के समझाने का कुएँ पर कोई असर नहीं पड़ा।
4. कुएँ के अंदर से बालटी सुरक्षित लौट आने पर लोगों के मन से भूत का भय समाप्त हुआ।

II. लिखित कौशल

1. दूसरे यात्री ने पहले यात्री से पूछा, "भैया, इस कुएँ का पानी कैसा है?"
2. यात्रियों को बातें सुनकर कुएँ ने सोचा, 'अगर ये लोग ऐसे ही मेरा पानी ले जाते रहे तो एक दिन मेरा सारा पानी समाप्त हो जाएगा।'
3. कुएँ ने गुस्से में आकर दोनों यात्रियों की बालटियाँ अंदर खींच लीं।
4. पीपल ने कुएँ से कहा कि भाई, तुम इतने स्वार्थी क्यों हो गए हो? बस, इस बात पर कुआँ भड़क गया।
5. आँधी आने पर ढेर सारे पत्ते टूटकर कुएँ के अंदर चले गए।
6. कुएँ से बदबू आने के कारण यात्रियों ने वहाँ रुकना तक छोड़ दिया था। कुएँ को इस बात पर पछतावा हुआ।
7. सेठ आते-जाते हमेशा कुएँ का पानी पीता था इसलिए उसने कुएँ की सफ़ाई करवाई।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) दूसरे यात्री ने (ख) पीपल ने (ग) कुएँ ने (घ) सेठ ने
2. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पंक्ति से हमें यह संदेश मिलता है कि हमें भूत-प्रेत के नाम पर किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए। कहीं कोई भूत-प्रेत नहीं है सिर्फ़ इनसान के मन का वहम है।
2. इन पंक्तियों में यह संदेश छिपा है कि हमें अपनी वस्तुओं का मिल-बाँटकर उपयोग करना चाहिए। दूसरों को देने से हमारे पास कमी नहीं हो जाएगी अपितु हमें उसका लाभ ही मिलेगा।

V. भाषा कौशल

1. (क) बच्चा, सच्चा (ख) रस्सी, गुस्सा (ग) चम्मच, हिम्मत (घ) पत्ता, कुत्ता
2. (क) ताज़ा (ख) छोटी (ग) नए (घ) तेज़ (ङ) गंदे
3. (क) सफ़ाई सबको पसंद आती है। (ख) रेलगाड़ी में यात्री बैठे थे।
   (ग) यह फल मीठा है। (घ) सुख एवं दुख जीवन में हिस्से हैं।
4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) यात्री (ख) रस्सी (ग) रक्षक (घ) घमंडी (ङ) पीपल
2. 3. बच्चे स्वयं करें।